B.Ed I year C3

संज्ञानात्मक वादी दृष्टिकोण

ब्रूनर का सिद्धान्त (Bruner's Theory)

ब्रूनर ने सीखने के एक सिद्धान्त का प्रतिपादन किया जिसे हम आधुनिक संज्ञानात्मक सिद्धान्त की श्रेणी में रखते हैं उनका सिद्धान्त शिक्षा जगत में बहुत ही महत्वपूर्ण माना जाता है। यह सिद्धान्त बच्चों के लिये गये उनके सभी व्यवहारों को मद्देनजर रखते हुए किया गया जो सीखने से सम्बन्धित है जीरोम ब्रूनर के सिद्धान्त को निम्नलिखित भागों में बाटा गया।

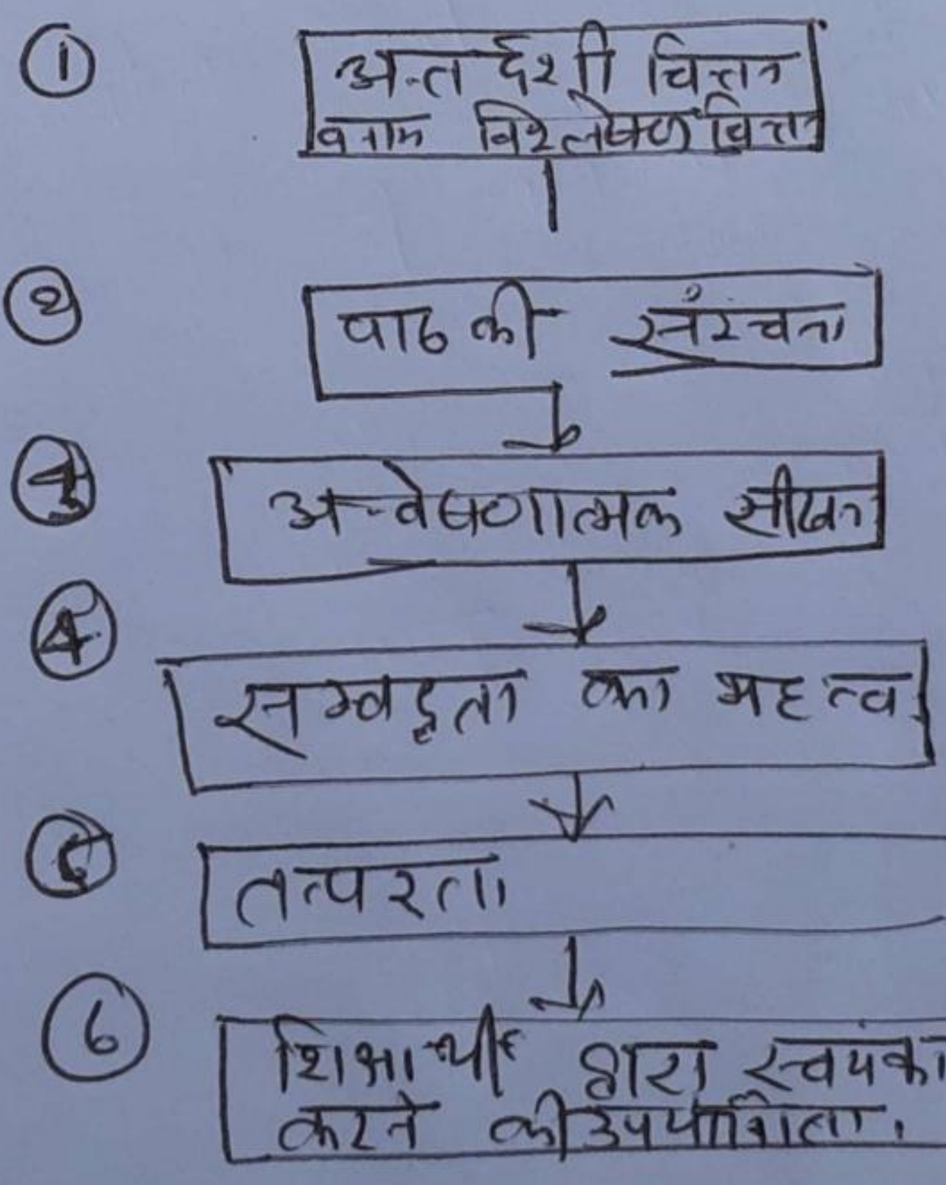

① अन्तर्दर्शी चिन्तन : (Intuitive Thinking)

ब्रूनर का ऐसा मानना है कि शिक्षण कार्य है.

Scanned by TapScanner

(1) अध्यापक द्वारा अन्तर्दर्शी चिन्तन को प्रोत्साहित करते करते है। तथा विश्लेषणात्मक चिन्तन को प्रोत्साहित करते है। तो इससे कक्षा शिक्षण की गति मन्द हो जाती है।

(2) **पाठ की संरचना:-** ब्रूनर के अनुसार प्रत्येक विषय में कुछ विषय वस्तु होती है जिसे बालको द्वारा सीखना आवश्यक होता है इसी को सीखने बाद वस्तुओं का सही प्रयोग होता है।

(3) **अन्वेषणात्मक सीखना:-** ब्रूनर ने इस बात पर जोर दिया है कि किसी भी विषय का पाठ पाठ को सीखने की उत्तम विधि अन्वेषण द्वारा सीखना होता है। दूसरे शब्दो मे छात्र के समक्ष कठिन विषय वस्तुओ पर स्वतः ही आत्मनात्मक चिन्तन करने के विषय से सम्बन्धित सम्प्रत्यय के अर्थ एवं सम्बन्धो की खोज करनी चाहिए अध्यापको को ध्यान देना चाहिए कि ज्ञान अधिक अन्वेषी होता है। उसके लिए बहुत उपयोगी होता है।

④ **सम्बद्धता का महत्व** - ब्रूनर के अनुसार विद्यालय शिक्षा का महत्वपूर्ण लक्ष्य है। छात्रों के भविष्य को उज्ज्वल बनाना अपनी पुस्तक द रिलेवेन्स ऑफ एजुकेशन में ब्रूनर ने दो प्रकार की सम्बद्धता का उल्लेख किया व्यक्तिगत सम्बद्धता और सामाजिक सम्बद्धता - ब्रूनर ने कहा शिक्षा सिर्फ व्यक्तिगत रूप से नहीं बल्कि सामाजिक उद्देश्यों एवं लक्ष्यों के अनुरूप होती है।

⑤ **तत्परता** :- ब्रूनर के अनुसार प्रत्येक कक्षा के लिए पाठ्यक्रम तैयार करके छात्रों को उस पाठ्यक्रम के अनुसार उनमे क्षमता विकसित करना अच्छी प्रथा नहीं है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि किसी भी उम्र या व्यक्ति - छात्र को विषय सीखने के लिए तत्पर करना आवश्यक है।

⑥ **विद्यार्थियों द्वारा स्वयं कार्य करने की उपयोगिताएँ**

ब्रूनर का मत है कि छात्रों को सीखने की परिस्थिति निष्क्रिय न होकर सक्रीय रूप से हिस्सा लेना चाहिए इससे दो लाभ होते है।

① छात्र पाठ को अच्छी तरह समझ जाता है।
② वह पाठ को जल्दी सीख लेता है। तथा अधिक समय तक याद रखता है।